

# Haraman Using Che Gozette of India

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

under a santan
PURLISHED BY AUTHORITY

सं0 380]

नई किली, संगलवार, दिसम्बर 14, 1982/ग्रणहायण 23, 1904

No. 380 NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 14, 1982/AGRAHAYANA 23, 1904

इस भाग में भिम्म पृष्ठ संबद्धा **वी धाती है जिससे कि य**ह अराज संस्कलन के रूप में र**ला जा स**के

Separate Paging is given to this Part in order that it may be fited as a separate compilation

वित्त मंद्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसचनार्वे

नई दिल्ली, 14 विसम्बर, 1932

स० 275/82 सीमागुल्क

साकार ने कि 756 (अ)...किन्दीय सरकार, सीमाणुक अधिनिवस, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग वरते हुए, अपना यह समावान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मौजलय (राजस्व विभाग) की अधिस्वता सं० 215-मीमागुल्क, तारीख । नवस्वर, 1986 का निम्निलिखन और संगोधन करती है, अर्थात् :--

उक्त प्रधिसूचना में, "मृल्य के 20 प्रतिशत" ग्रंकों भीर शब्दों के स्थान पर "मृत्य के 30 प्रतिशत " ग्रंक भीर शब्द रखें जायेंगे।

[फा॰सं॰ 357/2/82 टी॰म्रार॰स॰]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 14th December, 1982

NO. 275/82-CUSTOMS

G.S.R. 756(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 215-Customs. dated the 1st November. 1980, namely:—

In the said notification, for the figures and words "20 per cent ad valorem", the figures and words "30 per cent ad valorem" shall be substituted

[F. No. 357/2/82-TRU]

सं॰ 276/82-दीनाश्ह्क

सा॰का॰नि॰ 757(अ)--केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अविनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त

ात्रायों का प्रयाग करते हुए और घा न सरशार है किन साम्वय (राजस्थ विभाग) की श्रित्ति का सन्य 216 से मा स्वयं नार्राल । प्रयार 1880 का अधिकार रात्र हुए जाता के प्रतिश्व है। जाता है। जाता ए । इसका रित से ऐसा करना स्वयं के हैं। से सामकार टैकिंक सर्वे किस 1975 (1975 का 51) कि गरमा पान्यवा व तरपाव कि के किस सम्वयं असी असी बाले श्रीर इससे उनाबंद सारणी में विश्विद्य मार्थ के अधीन जा प्राप्त में आधान । का आर्थ अलग पड़ला अनुमूच के अधीन जा प उद्युहणीय उनने की सामापुरक में खुट देनी है जिनना मृत्य के बीम श्रीरणत ने प्रवित्त है।

# सारणी

- (1) उच्च निष्पादन काला (हाई पाफारनेता) कियान स्टपन फाइबर और उच्च निष्पादा काला गई पन्फीरमेल्स) विस्ताप टी।
- (2) उच्च लिक्यूत वाक्षा (हाई टीनिस्टी) विस्काम स्टेश्स फाइबर भीर उच्च िरणुत वाला 'हाई टीनेसिटी) विस्काम टो।
- (3) उज्ज्य रूप से नम (हाई बेट) माड्यूल्स विस्काल स्टेप्स फाइबर श्रीर उच्च रूप से नम (हाई बेट) माड्यूल्स विस्कोस टो।
- (4) पालिनीसिक स्टेपल फाइबर ग्रीर पोलिनापिक टा।

[फा॰स॰ 357/2/82 टी॰आर॰पृ॰]

### NO. 276/82-CUSTOMS

G.S.R. 757(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 216-Customs, dated the 1st November, 1980, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Table annexed hereto and falling within Chapter 56 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (31 of 1975), when imported into India, from so much of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule as is in excess of 20 per cent ad valorem.

### TABLE

- High performance viscose staple fibre and high performance viscose tow.
- (2) High tenacity viscose staple fibre and high tenacity viscose tow.

- (3) High vet modulus viscose staple fibre and high wet modulus viscose tow
- (4) Polyrosic staple fibre and polynosic tow

[F. No 357/2/82-TRU]

## म० 277/82-कीमाभूत्र

सा का कि 758 का ) - वेन्द्रीय संस्वार विस्त प्रियितियम 1982 (1952 व। 14) की घारा ११ की उपधार (1) वे सार पठित सीमा गल्य प्रधितितम, 1962 (1962 का 52) वी धारा 25 की उपधार (1) देशा प्रका शिविया ना प्रथान करने हुए, प्रपत्ता यह समाधान हा जाने पर वि लाक हित में ऐसा करना श्राध्यक है, मान्त संस्वार वे प्रित्त सद्धाराय (राजस्य विशाग) की श्राध्यक्षका सक 136/52 में राज्यका तारीक 11 मही 1992 का निकासिखित और संशोधन करनी है, धर्यान -

उक्त अधिस्चा की धन्मको मे

- (क) श्रम स० 176 और असमे सब्धित प्रक्षित्यो का लाप क्रिया जायेगा और
- (खा) कम स० 221 और उससं संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निप्निलिखिन प्रतस्थापित किया जायेगा, व्यात् — "222 स० 276/82 मीमाशुल्क, तारीख 14 विसम्बन, 1982"।

[फा॰स॰ उ*57*/2/82 टी॰ग्रार॰यू०] जिसेन्द्र बन्ना, श्रवर स**धिव** 

### NO. 277/82-CUSTOMS

GS.R. 758(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 44 of the Finance Act, 1982 (14 of 1982), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 136/82 Customs, dated the 11th May, 1982, namely—

In the Schedule to the said notification,-

- (a) Sl. No. 176 and the entries relating thereto shall be omitted; and
- (b) after Sl. No. 221 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—
  - "222. No. 276/82-Customs, dated the 14th December, 1982".

[F. No. 357/2/82-TRU]
J. K. BATRA, Under Secy.